**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 27-06-2025**

**उधम सिंह नगर(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-27 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2025-06-28 | 2025-06-29 | 2025-06-30 | 2025-07-01 | 2025-07-02 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 10.0 | 20.0 | 35.0 | 15.0 | 5.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 35.0 | 35.0 | 34.0 | 35.0 | 35.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 28.0 | 28.0 | 27.0 | 27.0 | 27.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 85 | 90 | 90 | 90 | 85 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 60 | 65 | 65 | 65 | 60 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 10 | 10 | 4 | 6 | 4 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 110 | 140 | 140 | 320 | 320 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 6 | 6 | 8 | 6 | 5 |
| चेतावनी | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि | भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि |

## पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (20 से 26 जून) क्षेत्र में 36.4 मिमी वर्षा हुई तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0 से 35.0 डिग्री सेल्सियस तथा 27.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह और शाम सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 75-92% तथा 54-81% के बीच रही, जबकि हवा पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-उत्तर-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व से 5-8 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिनों में आसमान में बादल छाए रहे तथा बारिश हुई। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 27 जून से 1 जुलाई तक 5-35 मिमी हल्की वर्षा होगी तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0-35.0 डिग्री सेल्सियस तथा 27.0-28.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवाएँ पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा से 4-10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलने की उम्मीद है। 27, 28, 30 जून और 1 जुलाई को गरज के साथ बिजली गिरने और अलग-अलग स्थानों पर तेज़ बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 29 जून को भी ऐसी ही स्थिति की भविष्यवाणी की गई है और भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ तूफान/तीव्र वर्षा के संबंध में पीला अलर्ट।

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

| |
|---|
| अंकुरण, ताजा पौध, बुवाई, रोपण और अन्य कृषि कार्यों पर प्रभाव, तुड़ाई के कार्यों और परिपक्व फलों के गिरने पर प्रभाव। भारी वर्षा की चेतावनी के तहत अंकुरण, रोपण और अन्य कृषि कार्यों में देरी की जानी चाहिए, परिपक्व फलों को तुरंत तोडा जाना चाहिए और बिक्री के लिए भेजा जाना चाहिए। |

## सामान्य सलाहकार:

| |
|---|
| किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी डेटा के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और एप्प सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान 27.06.2025 से 03.07.2025 के दौरान कम वर्षा और सामान्य से कम अधिकतम तापमान और सामान्य न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है। |

## लघु संदेश सलाहकार:

| |
|---|
| भारी वर्षा की चेतावनी वाले दिनों में गरज के साथ तूफान आने की संभावना है, इसलिए सभी कृषि कार्य स्थगित कर दिए जाने चाहिए। |

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | नर्सरी में 0.5% जिंक सलफेट में 2% यूरिया मिलाकर डालें। उर्वरकों का प्रयोग 1/4 नाइट्रोजन तथा पूर्ण फ़ास्फ़रोस व पोटैशियम बुवाई के समय करना चाहिए। यदि गोबर की खाद का प्रयोग कर रहे हैं तो 15-20 दिन पहले डालें तथा 1/2 नाइट्रोजन (10-15 किग्रा) का प्रयोग करें। बासमती तथा सुगंधित चावल की नर्सरी 30 जून तक पूरी कर लेनी चाहिए। पौध तोड़ने से पहले धान की नर्सरी में 4-6 सेमी पानी भर देना चाहिए। पौध तोड़ने के बाद जड़ों को सावधानीपूर्वक धोना चाहिए तथा पौध की रोपाई तुरन्त कर देनी चाहिए। धान की रोपाई तब करनी चाहिए जब धान की पौध में 4-5 पत्तियाँ दिखाई देने लगें। यह अवस्था शीघ्र पकने वाली किस्मों में 18 दिन बाद तथा मध्यम अवधि वाली किस्मों में 20-25 दिन बाद आती है। खेत में पडलिंग से 15 दिन पहले सिंचाई कर देनी चाहिए। खेत में पानी भरने से 10-12 घंटे पहले खेत को पानी से भर देना चाहिए और 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। खेत को समतल करना चाहिए। खेत में पानी भरने के 10-15 घंटे बाद रोपाई करनी चाहिए। मौसम रोपाई के लिए अनुकूल है, लेकिन भारी बारिश की स्थिति में खेत से अतिरिक्त पानी निकाल देना चाहिए। |
| मक्का | खरीफ मक्का की क्लस्टर किस्में जैसे तरुण, नवीन, किरण, नवजोत, प्रताप मक्का-1, पूसा क्लस्टर 3 और 4 की बुवाई की जा सकती है। बीज दर 18-20 किलोग्राम/हेक्टेयर रखी जा सकती है और हल्की वर्षा की स्थिति में 60-75 सेमी की दूरी पर बुवाई की जा सकती है। भारी वर्षा की स्थिति में बुवाई में देरी की जा सकती है और अधिक जलभराव की स्थिति में जल निकासी चैनल की व्यवस्था की जानी चाहिए। |
| मक्का | भारी बारिश में खराब होने से बचने के लिए वसंत ऋतु के मक्का की तुड़ाई तभी करनी चाहिए जब वह परिपक्व हो। जलभराव की स्थिति में, अतिरिक्त पानी की उचित निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए। |
| गन्ना | भारी बारिश की स्थिति में खेती के काम को टाल देना चाहिए और हल्की बारिश वाले दिनों में काम को समय पर पूरा करना चाहिए। खेत में पानी का ठहराव नहीं होने देना चाहिए और अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए जल निकासी चैनल बनाए जाने चाहिए। |
| सोया बीन | भारी बारिश की स्थिति में बुवाई में देरी हो सकती है और हल्की बारिश वाले दिनों में बुवाई की जानी चाहिए। पहले से बोई गई फसल में पानी के ठहराव से बचने के लिए पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| कद्दू | पूर्वानुमानित परिस्थितियों में किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव में देरी करनी चाहिए तथा फसल को खराब होने से बचाने के लिए उसे अच्छी तरह से भंडारित करना चाहिए। |

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| टमाटर | वर्षा के बाद रोग उत्पन्न होने की संभावना होती है, इसलिए विषाणु रोगों को नियंत्रित करने के लिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर देना चाहिए (जब मुरझाई हुई पत्तियां दिखाई देने लगें) तथा पूर्वानुमानित वर्षा की स्थिति में किसी भी प्रकार के रासायनिक प्रयोग में देरी करनी चाहिए। |
| भिण्डी | वर्षा के बाद चूसने वाले कीटों के आने की संभावना होती है, इसलिए नियमित निगरानी की आवश्यकता होती है। पूर्वानुमानित परिस्थितियों में किसी भी रासायनिक छिड़काव से बचें। परिपक्व फसल की तुड़ाई करें और पूर्वानुमान के अनुसार तुड़ाई का समय निर्धारित करें। |
| मिर्च | वर्षा के बाद मिर्च में चूसने वाले कीड़े आम हो जाते हैं, इसलिए रासायनिक छिड़काव की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान पूर्वानुमानित परिस्थितियों में इसे स्थगित कर देना चाहिए। परिपक्व मिर्च की तुड़ाई करें। भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी की व्यवस्था करें। |
| हल्दी | युवा पौधों को आश्रय प्रदान किया जाना चाहिए और पानी के ठहराव से बचने के लिए जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए। |
| अदरक | युवा पौधों को आश्रय प्रदान किया जाना चाहिए और पानी के ठहराव से बचने के लिए जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | जानवरों को आंधी/बिजली और तेज़ बारिश की स्थिति में खुले में न छोड़ें। उन्हें उचित आश्रय प्रदान करें और उन्हें बारिश में भीगने न दें। |
| गाय | जानवरों को आंधी/बिजली और तेज़ बारिश की स्थिति में खुले में न छोड़ें। उन्हें उचित आश्रय प्रदान करें और उन्हें बारिश में भीगने न दें। |

## मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|---|
| अंकुरण, ताजा पौध, बुवाई, रोपण और अन्य कृषि कार्यों जैसे उर्वरक और रासायनिक अनुप्रयोग पर प्रभाव, तुड़ाई के कार्यों और परिपक्व फलों के गिरने पर प्रभाव। |

## प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

| |
|---|
| भारी वर्षा की चेतावनी के तहत अंकुरण, रोपण और अन्य कृषि कार्यों में देरी की जानी चाहिए, परिपक्व फलों को तुरंत तोडा जाना चाहिए और बिक्री के लिए भेजा जाना चाहिए। |

**Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**